आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538

सेवा पाती

● मूल्य » ₹ 5/- ● वर्ष-02 ● अंक 13 ● मुद्रण तारीख » 1 मई -2018 ● कुल पृष्ठ » 12

अहमदाबाद में अन्तर्राष्ट्रीय अवॉर्ड समारोह

नारायण सेवा संस्थान द्वारा दानवीर भामाशाहों का अभिनन्दन, जैकी श्रॉफ व दिलीप जोशी ने की शिरकत

संस्थान के सेवा प्रकल्पों की जानकारी हेतु नारायण सेवा संस्थान द्वारा मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, जिससे आप संस्थान के लाइव प्रोग्रामों को ऑन लाइन देख सकते हैं व आपश्री द्वारा दिये गए दान की रसीद भी ऑन लाइन प्राप्त कर सकते हैं।

कृपया डाउनलोड करें मोबाईल एप्प

आपश्री ऑन लाइन डॉनेशन भी दे सकते हैं।

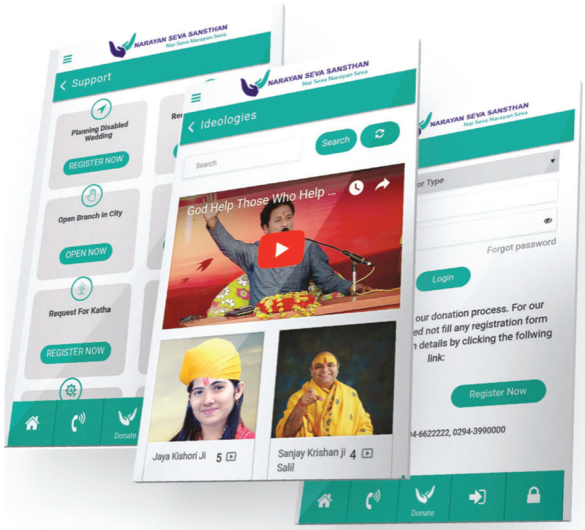

More than JUST AN APP!
It's a Helping Hand!

Download Now !!

GET IT ON Google play

सेवा पाती

मई, 2018

वर्ष 02 अंक 13 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 12

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल

सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल

डिजाइनर » कुश शर्मा

संपर्क (कार्यालय)

नारायण सेवा संस्थान

सेवा-पाती (मासिक पत्रिका)

मुद्रण तारीख 1 मई, 2018

स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली-110006 से प्रकाशित तथा एम.पी. प्रिंटर्स नोएडा से मुद्रित।

Web » www.narayanseva.org

E-mail » info@narayanseva.org

CONTENTS

इस माह... पाठकों हेतु

नव जीवन

आपके असीम सहयोग से मिला... पीड़ित मानवता को सहारा

06

विनम्र अपील

निर्धन भाई-बहिनों की सहायता करें... बनें पुण्य के भागी

07

अनुरोध

गंभीर बीमार व्यक्तियों को दिलाएं... रोग से मुक्ति

08

अपनों से अपनी बात

पू. कैलाश 'मानव'

महात्मा का उत्तर

रात तो हर व्यक्ति की सोने में ही गुजर जाती है, परन्तु दिन कैसे गुजारता है ?? यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन कितना सच्चा प्रभु भक्त है...

मनोहरपुर राज्य से सटे घने जंगल में एक महात्मा रात-दिन साधना में लीन रहते थे। सर्दियों के दिन थे। एक दिन उस राज्य का राजा राजबहादुर शिकार के लिए उस जगंल में जा पहुँचा। राजा ने उस निर्जन स्थान में महात्मा को भक्ति में लीन देखा तो बहुत प्रभावित हुआ। वह जानना चाहता था कि यह महात्मा आखिर कैसे गर्मी, सर्दी, बरसात में कष्ट झेलते हुए अपने लक्ष्य को साधने में लगे हैं? उसने मंत्री को पता लगाने के लिए कहा कि सर्दी में महात्मा की रात कैसे बीतती है। मंत्री ने महात्मा से प्रश्न किया, 'मुनिवर, हमारे महाराज जानना चाहते हैं कि इस सर्दी में आपकी रात कैसे गुजरती है?' महात्मा बोले, ' वत्स, मेरी रात तो कुछ उनके जैसी ही कटती है, परन्तु दिन आपसे अच्छा ही गुजरता है।' मंत्री ने राजा को जाकर यह बात बताई तो राजा अचरज में पड़ गया। स्वयं राजा ने महात्मा के पास जाने का निर्णय किया।

राजा राजबहादुर ने विनम्रता से पूछा , 'महात्मन्, मैं इस राज्य का राजा हूँ और आपसे यह जानना चाहता हूं कि सर्दी में आपकी रात कैसे गुजरती है? 'महात्मा ने कहा, 'मेरी रात आप जैसे ही गुजरती है, परन्तु पर दिन आपसे अच्छा कटता है।' राजा ने पूछा, 'कृपया मुझे स्पष्ट रूप से समझाएं। 'महात्मा बोले, 'रात में चूंकि मैं और आप गहरी नींद में सोते हैं तो वह समान बीतती है, किंतु मैं और आप जब जागृत अवस्था में होते हैं, तब आप तो राज्य के बुरे-भले कामों में व्यस्त रहते हैं जबकि मैं उस समय भी परमात्मा का स्मरण करता रहता हूँ। इसलिए मेरा जागृत समय आपसे ज्यादा फलदायक होता है। बस यही अन्तर है।'यह सुनकर राजा राजबहादुर ने नतमस्तक हो महात्मा को आदरपूर्वक नमन किया और वहां से प्रस्थान कर गये। ■

प्रेरक प्रसंग

'सेवक' प्रशान्त भैया

अहंकार का भोज

इतना सड़ा हुआ भोजन खिलाते हो ??? ऐसा सुनने के बाद अगर आपको क्रोध आता है तो समझना कि अभी तक आपको क्रोध ने जकड़ रखा है...

हरिराम सेठ को धार्मिक यात्राओं का बड़ा शौक था। समाज में भी उसकी बड़ी इज्जत थी। यात्रा से लौट कर आने पर वह पूरे गाँव को भोज देता । एक बार जब वह चारों धाम की यात्रा करके प्रसन्नतापूर्वक लौटा तो आते ही उसने भव्य भोज का आयोजन किया। पूरे गाँव को निमंत्रण दिया। सेठ ने ध्यान रखा कि कोई भी घर निमंत्रण से नहीं छूटे। उन्हीं दिनों नगर में एक संत आए हुए थे, उन्हें भी निमंत्रण भेजा गया। कई तरह के पकवान बनाए गए। सेठ एक-एक व्यक्ति के पास जाता और मनुहार करते हुए भोजन परोसता। लोग उससे यात्रा के किस्से पूछते तो बड़े गर्व से बताता कि उसने वहाँ क्या-क्या देखा और कहाँ-कहाँ दर्शन का सुख लिया। भोज में शामिल हर व्यक्ति सेठ के भाग्य और धार्मिक वृत्ति की सराहना करते हुए भोजन का आनन्द ले रहा था। भोजन परोसते - परोसते हरिराम संत के पास पहुँचा और कहा,'महाराज अच्छी तरह से भोजन कीजिए, कहीं कुछ छूट न जाए।' संत ने कहा वास्तव में भोजन स्वादिष्ट बना है, लेकिन एक बात बताओ, कहते हैं हर धार्मिक यात्रा के दौरान कुछ न कुछ छोड़ने का संकल्प लिया जाता है, तुमने क्या छोड़ा?' हरिराम ने हाथ जोड़ते हुए कहा, मैने अहंकार और 'क्रोध का परित्याग किया है महाराज!' संत ने अचानक भोजन का ग्रास नीचे गिराते हुए कहा,'इतना सड़ा हुआ भोजन खिलाते हो, हर बार ऐसा ही भोज देते हो क्या?' सुनते ही हरिराम का 'क्रोध सातवें आसमान पर पहुँच गया। उसने कहा, फटीचर बाबा, तुमने कभी भी इस तरह का भोजन खाया भी है?' सेठ के मुँह से ऐसी बात सुनकर सब सन्न रह गए। संत ने कहा, अभी तुमने कहा था कि तुमने अहंकार त्याग दिया है, लेकिन ऐसा नहीं है।' संत की सीख ने हरिराम का मन निर्मल हो गया। ■

जैकी श्रॉफ व दिलीप जोशी ने सराही नारायण सेवा

दिव्यांगों की चिकित्सा में सहयोगी भामाशाहों को किया सम्मानित

अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड समारोह का दीप प्रज्ज्वलन से शुभारम्भ करते फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ, टीवी कलाकार दिलीप जोशी, संस्थान संस्थापक पूज्य कैलाश मानव, भरत भाई वीरानी एवं अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल

नारायण सेवा संस्थान द्वारा अहमदाबाद में रविवार को उन सेवा मनीषियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने दिव्यांग बंधुओं की सेवा एवं चिकित्सा में महत्वपूर्ण आर्थिक योगदान किया। होटल हयात रेजेन्सी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अवॉर्ड समारोह में संस्थान संस्थापक-चेयरमैन श्री कैलाश मानव,मुख्य अतिथि सिने अभिनेता श्री जैकी श्रॉफ एवं परम् विशिष्ट अतिथि श्री दिलीप जोशी (जेठालाल-तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम) ने विभिन्न राज्यों से आए दानवीर भामाशाहों को सम्मानित किया। संस्थान अध्यक्ष श्री प्रशांत अग्रवाल ने अतिथियों का मेवाड़ी परम्परा के अनुसार स्वागत-सत्कार करते हुए संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। सिने अभिनेता श्री जैकी श्रॉफने सम्मानित सेवा मनीषियों की सराहना करते हुए कहा कि वे दिव्यांग बच्चों को अपने पैरों पर खडा करने में सहारा बन कर न केवल उनके जीवन को संबल प्रदान कर रहे हैं बल्कि अपने जीवन को भी सार्थकता प्रदान कर रहे हैं। दिलीप जोशी ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान ऐसा काम कर रहा है जो किसी तपस्या और साधना से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि नारायण संस्थान द्वारा मानवता की इस सेवा को शब्दों में बयां करना नामुमकिन है। समारोह में मुख्य अतिथि भरत भाई वीरानी, मुंबई एवं ओमप्रकाश गहलोत, जोधपुर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सर्वश्री विशाल शर्मा, श्रीमती प्रीति शांति भंसाली, श्रीमती रमाबेन उमिया जोशी, श्री ठाकुर दास, श्री राजेश दरबारी, श्रीमती अनिता राज, श्रीमती शैल श्रीवास्तव, श्री मूलचंद.बी प्रजापति, श्री महावीर प्रसाद सहवाल, डॉ राम रतन जी, श्री देवेन्द्र सिंह परिहार, श्री बसन्तराम.एस प्रजापति, श्री राम लक्ष्मण गढ्ढानी, श्री कल्याण सहाय शर्मा, डॉ श्यामाबेन वांचू, श्रीमती रुकमणीबेन गोकलानी, श्रीमती भावनाबेन परेश भाई शाह,श्री ओमप्रकाश गहलोत, श्री भरत शाह, श्री श्याम सुन्दर राठी, श्री भरतभाई विरानी, श्री हार्दिक अमरीश भाई, श्रीमती मंजू त्यागी आदि को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। संस्थान निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल ने संस्थान की 32 वर्षीय सेवायात्रा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्थापक श्री कैलाश मानव व अध्यक्ष श्री प्रशांत अग्रवाल एवं अतिथियों ने नारायण सेवा संस्थान के विशेष मोबाइल ऐप की लॉन्चिंग भी की जिसके द्वारा संस्थान के सेवा प्रकल्पों आदि की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी । कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ साधक दीपक मेनारिया, रोहित तिवारी, दल्लाराम पटेल, जितेन्द्र गौड़ व यशवंत सिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ओमपाल सीलन ने किया। ■

नव जीवन आपके सहयोग से मिला सहारा

» जीवन का नया सवेरा

उदयपुर का सोफियान अपनी बीमारी को लेकर परेशान हो चुका था। उसको अपने आगे का जीवन अंधकारमय दिखने लगा था, लेकिन उदयपुर के सेवा परमो धर्म ट्रस्ट ने ईलाज के लिए 25,000 रुपए की राशि देकर उसके जीवन से अंधकार मिटा दिया। सोफियान के पिता अब खुश है। अपने बच्चे के नए जीवन से और सहयोग करने वाले हाथों को वे दुआ देते है।

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के रहने वाले इस्माईल के पुत्र सोफियान बचपन से ही मूत्र सम्बन्धी बीमारी थी जिसके कारण सोफियान को रात भर नीद नहीं आती थी। इसकी वजह से सोफियान के घर वाले काफी परेशान रहते थे ईलाज के लिए उन्होंने कही जगह दिखाया मगर कोई फर्क नहीं पड़ा फिर उन्होंने सूरी नर्सिंग होम उत्तराखण्ड में चेकअप करवाया जहाँ डॉक्टर ने ऑपरेशन करवाने की सलाह दी। मजदूरी कर मात्र 5 से 7 हजार रूपये कमा कर अपने घर का गुजारा करने वाले इस्माईल अपने बच्चे के ईलाज का ख़र्चा वहन नहीं कर पा रहे थे। ऐसे में समाचार-पत्र के माध्यम से उन्हें सेवा परमो धर्म ट्रस्ट उदयपुर के बारे में जानकारी मिली। इस पर सोफियान के घर वालो ने बिना समय खोए संस्थान के सस्थांपक प्रशांत जी अग्रवाल से मुलाकात की और उन्हें अपनी विकट परिस्थिति से अवगत करवाया। इस्माईल की सभी बाते सुन प्रशांत जी ने सेवा परमो ट्रस्ट के माध्यम से सोफियान के ऑपरेशन हेतु 25,000 रूपये की सहायता प्रदान की। इस्माईल ने सेवा परमो धर्म के दानदाताओं और प्रशांत जी को धन्यवाद दिया है व ट्रस्ट के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

» मिली...कष्टों से मुक्ति

जबलपुर के पंकज द्विवेदी को किडनी की बीमारी होने से अपनी जिंदगी अन्धकारमय दिखने लगी थी, लेकिन सेवा परमो धर्म ट्रस्ट ने पंकज को ऑपरेशन हेतु 2 लाख 15 हजार की मदद प्रदान कर सहारा दिया। ट्रस्ट अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि मध्य प्रदेश के जबलपुर निवासी गौरी शंकर के पुत्र पंकज द्विवेदी पिछले 7-8 महीनो से किडनी की बीमारी से ग्रसित थे। घर वालों ने कई अस्पतालों में उसकी जाँच करवाई जहाँ डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दी, लेकिन पंकज के पिता ऑपरेशन करवाने में असमर्थ थे, क्योकि उनके पास पंकज की डायलीसिस करवाने के लिए पैसे नहीं थे तो फिर वे ऑपरेशन हेतु इतनी राशि कहाँ से लाते।

पंकज के पिता पंडिताई करके अपना और अपने परिवार का गुजारा करते थे और बचे हुए पैसे से पंकज की डाइलेसिस करवाते थे। वे टूट से गए थे। उन्हें उम्मीद की कोई किरण नजर नहीं आ रही थी। परिवार के लिए यह कठिन दौर था जिससे पार पाना नामुमकिन सा लग रहा था। ऐसे में, नारायण सेवा संस्थान से जुड़े विशिष्ट सेवा प्रेरक कमल लोढ़ा द्वारा सेवा परमो धर्म ट्रस्ट की जानकारी दी गयी तो पंकज और पंकज के पिताजी ने बिना समय गंवाए ट्रस्ट के सस्थांपक प्रशांत अग्रवाल से मुलाकात की और अपनी आर्थिक परेशानी से अवगत कराया और मदद की अपील की। श्री अग्रवाल ने सेवा परमो धर्म ट्रस्ट के माध्यम से ऑपरेशन हेतु 2 लाख 15 हजार की मदद स्वीकृत की। पंकज एवं उसके परिवार ने सेवा परमो धर्म ट्रस्ट को इस असीम सहयोग के लिए दिल से धन्यवाद अर्पित किया है।

विनम्र अपील

पीड़ितों को दें... नवजीवन का उपहार

» मदद की आस में...

पंजाब मोहाली के रहने वाले जीत कुमार की बच्ची सुमन कुमारी बचपन से दिल की बीमारी से ग्रसित थी। उसकी बीमारी की वजह से जीत भी काफी परेशान थे। बच्ची रात में सोने पर दर्द की शिकायत करती थी तथा वह सामान्य बच्चों की तरह खेलकूद नहीं पाती थी वह काफी परेशानी में जी रही थी। बच्ची को परेशान देख पूरा परिवार भी दुखी रहता था। एक दिन अचानक सुमन की तबियत खराब हो गई तो जीत ने गाँव के नजदीकी अस्पताल में जाँच करवाई तो पता चला कि बच्ची के दिल में छेद है और अगर समय पर ऑपरेशन नहीं करवाया गया तो बच्ची को बचाना मुश्किल होगा। यह बात सुन परिवार वालों के पैरों तले जमीन खिसक गयी, क्योकि परिजन अपनी कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण बच्ची के ऑपरेशन का ख़र्चा वहन करने में असमर्थ थे। जीत मजदूरी कर अपना और अपने परिवार का गुजारा कर रहे थे। जो बचता उससे वे अपनी बच्ची की दवाइयों पर ख़र्च करते थे। कोई मदद करने के लिए तैयार नहीं था। ऐसे में, टी वी के माध्यम से उन्हें सेवा परमो धर्म के निःशुल्क प्रकल्पों का पता चला तो उन्होंने बिना समय गंवाए सेवा परमो धर्म ट्रस्ट आकर अपनी आर्थिक परेशानी बताई और मदद की अपील की। आप सभी दानदाताओ से निवेदन है कि सुमन के ऑपरेशन हेतु आर्थिक सहयोग कर पुण्य प्राप्त करें। आपश्री के स्तर पर इस कार्य से सुमन को नवजीवन प्राप्त होगा।

» ज़िन्दगी की गुहार...

राजस्थान के उदयपुर निवासी ओम प्रकाश की पत्नी उमा तीन साल से किडनी की बीमारी से ग्रसित है। उमा की बीमारी का 3 साल पहले पता चला। फिर भी, पारिवारिक और आर्थिक समस्याओं के बावजुद उमा को डायलिसिस पर ही काम चलाना पड़ता है। ब्लड प्रेशर की बीमारी की वजह से उसकी किडनी खराब हो गई। परिवार वाले काफी परेशान रहते थे, क्योकि उमा के बच्चे भी है। यदि उसे कुछ हो गया तो बच्चों का क्या होगा ? ओम प्रकाश के अलावा उनके परिवार में 4 से 5 सदस्य हैं वे ड्राईविंग का काम कर अपना और अपने परिवार का गुजारा करते हैं। उमा की सासु माँ भी है, लेकिन वे भी बीमार रहती हैं तो सारी जिम्मेदारी ओम प्रकाश और उनके पिता के ऊपर ही आ पड़ी है। दोनों की आय इतनी नहीं कि वे उमा का किडनी ट्रांसप्लांट करवा सके। उन्हें उम्मीद की कोई किरण नजर नहीं आ रही थी। ऐसे में, परिजनों के माध्यम से उन्हें सेवा परमो धर्म के निःशुल्क प्रकल्पों की जानकारी मिली। इस पर वे अपनी पत्नी उमा को लेकर उदयपुर आये तथा उन्होंने प्रशांत अग्रवाल को अपनी पत्नी के गिरते स्वास्थ्य एवं अपने परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति से अवगत कराते हुए उमा के ऑपरेशन हेतु मदद की गुहार लगाई है। ऐसी विषम परिस्थितियों में आप सभी दानवीर भामाशाओं से करबद्ध प्रार्थना है कि उमा के ऑपरेशन हेतु हर संभव आर्थिक मदद प्रदान करने की अनुकम्पा कर पुण्य का लाभ अर्जित कर अपने जीवन को सार्थक बनाने का सौभाग्य प्राप्त करें। आपश्री द्वारा प्रदान की जाने वाली एक छोटी सी मदद से उमा को समस्त शारीरिक कष्टों से व उसके परिवार को तकलीफों से मुक्ति मिल सकेगी।

पीड़ितों के दुःख-दर्द दूर करें... पुण्य के भागी बनें

गंभीर बीमारियों से ग्रसित बाल एवं युवा मरीज अपनी बीमारी का ईलाज कराने हेतु संस्थान के अस्पताल में आते हैं। ऐसे 4 मरीज संस्थान के अस्पताल में पहुँचे हैं। उनकी वर्तमान स्थिति गंभीर है। उन्हें आपकी मदद की सख्त आवश्यकता हैं। आपश्री से प्रार्थना है कि आप अपनी ईच्छानुसार दान के माध्यम से संस्थान को सहयोग प्रदान कर इन मरीजों की जान बचाने में अपना बहुमुल्य योगदान दें। धन्यवाद्...

Save these children and youth - - their parents are deeply distressed.

दीपक राज कुमावत
30 वर्ष
उदयपुर (राजस्थान)
गुर्दे की बीमारी

शिवम्
4 वर्ष
सीतामढ़ी (बिहार)
दिल की बीमारी

दिव्यांश
3 वर्ष
सहारनपुर (उ.प्र.)
मूत्र रोग

हर्ष
1 वर्ष
कानपुर नगर (उ.प्र.)
दिल की बीमारी

विविध सेवा प्रकल्प हेतु दान- सहयोग की अपील

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियो ग्रस्त विकलांगों के ऑपरेशन हेतु सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

दवाई सहयोग प्रतिदिन

1 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	1,100/-	51 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	56,100/-
11 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	12,100/-	101 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	1,11,100/-
21 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	23,100/-	501 निःशक्त दवाई सहयोग राशि	5,51,100/-

आपका यह सहयोग संस्थान के कॉरपस फण्ड में जायेगा जिसका उपयोग निःशक्त जनों की सेवा में होगा

आजीवन संरक्षक राशि	51,000/-	आजीवन सदस्य राशि	21,000/-

सहमति-पत्र के साथ कृपया अपनी करूणा-सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) ▶.....सहयोग मद ▶ .....

उपलक्ष्य में/स्मृति मे ▶.....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रूपये ▶.....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप

..... दिनांक ▶.....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता ▶.....

.....

.....

.....

जिला .....पिन कोड .....राज्य .....

मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान-सहयोग प्रदान करें।

मई-2018

हस्ताक्षर

अपंग, अनाथ, विधवा, वृद्ध एवं वंचितजन की सेवा में सेवारत्

दिव्यांगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं। आप श्री से प्रार्थना है कि अपना सहयोग प्रदान करावें।

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

50 रोगियों की आजीवन भोजन/नाश्ता मित्ती

वर्ष में एक दिन दोनों समय की आजीवन भोजन मित्ती सहयोग राशि	30,000/-
वर्ष में एक दिन एक समय की आजीवन भोजन मित्ती सहयोग राशि	15,000/-
वर्ष में एक दिन की आजीवन नाश्ता मित्ती सहयोग राशि	7,000/-

आजीवन लालन-पालन योजना 1,00,000/-

आप बन सकते हैं किसी अनाथ निर्धन बच्चे के आजीवन पालनहार 1 लाख रूपयों का अनुदान करके। (एक बच्चा 18 वर्ष तक की आयु तक अथवा 18 वर्ष के बाद भी संस्थान के सान्निध्य में रह सकेगा)

विकलांगों के लिए कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण हेतु सहयोग राशि

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकल	4,500	13,500	22,500	49,500
व्हील चेयर	3,500	10,500	17,500	38,500
केलिपर्स	1,800	6,400	9,000	19,800
वैषाखी	550	1,650	2,750	6,050

निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह हेतु करें-सहयोग

पूर्ण कन्यादान (प्रति कन्या)	51,000/-
आंशिक कन्यादान (प्रति कन्या)	21,000/-
वर-वधू श्रृंगार पुण्य (प्रति जोड़ा)	11,000/-
भोजन प्रसाद (100 सहयोगी अपेक्षित)	5,100/-
वेदी सहयोग (प्रति वेदी)	2,100/-
मेहन्दी रस्म (प्रति जोड़ा)	2,100/-

कृत्रिम अंग सहयोग राशि

उपकरण	रूपये
कृत्रिम अंग	10,000/-

प्रति निःशक्त शिविर

सहयोग राशि	1,51,000/-
सम्पर्क करें	09929534444

अपने बैंक खाते से संस्थान बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	BranchAddress	RTGS/NEFTCode	Account
Allahabad Bank	3,BapuBazar	ALLA0210281	50025064419
AXIS Bank	Uit Circle	UTIB0000097	097010100177030
Bank of India	H.M.Sector-5	BKID0006615	661510100003422
Bank of Baroda	H.M, Udaipur	BARBOHIRANM	30250100000721
BANK OF MAHARASHTRA	Arihant Complex Plot No. 16, Thoran Banwre City Station Marg, Udaipur	MAHB0000831	60195864584
Canara Bank	Madhuban	CNRB0000169	0169101057571
CENTRAL BANK OF INDIA	UDAIPUR	CBIN0283505	00000001779800301
HDFC	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
IDBI Bank	16SaheliMarg	IBKL0000050	050104000157292
Kotak Mahindra Bank	8-C, Madhuban	KKBK0000272	0311301094
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
VIJAYA BANK	Gupteshwar Road Titardi	VIJB0007034	703401011000095
YesBank	Goverdhan Plaza	YESB0000049	004994600000102

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

नारायण सेवा संस्थान

'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

विभिन्न चैनलों पर संस्थान के सेवा कार्य

भारत में संचालित

- **आस्था** 9.00 am- 9.20 am, 7.40 pm- 7.55 pm
- **संस्कार** 7.50 pm- 8.10 pm
- **आस्था** 7.40 am- 8.00 am
- **जी.टी.वी.** 5.00 am- 6.00 am
- **पारस टी.वी.** 4.20 pm- 4.38 pm
- **अरिहन्त** 7.30 pm- 7.50 pm
- **(सत्संग)** 7.10 pm- 7.30 pm

विदेश में संचालित (हिन्दी)

- **संस्कार** 7.40 pm- 8.00 pm
- **आस्था (यू.के/यू.एस.ए.)** 8.30 am- 8.45 am
- **जी.टी.वी.** 8.30 am- 8.45 am
- **एम.ए.टी.वी. (यू.के)** 8.30 am- 8.45 am

विदेश में संचालित (अंग्रेजी)

- **JUS PUNJABI** 4.30 pm-4.40 pm (Sat-Sun only)
- **APAC** 8.30 am -9.00 am
- **SOUTH AFRICA** 8.00 am -8.30 am (CAT)
- **UK** 8.30 am - 9.00 am
- **USA** 7.30 am - 8.00 am (ET)
- **MIDDLE EAST** 8.30 am -9.00 am (UAE)

सेवा-पाती (मासिक पत्रिका) मुद्रण तारीख 1 मई, 2018, आर.एन.आई. नं. DELHIN/2017/73538 पोस्टल रजिस्ट्रेशन संख्या DL (DG-II)/8087/2017-2019 (प्रेषण तिथि हर माह की दिनांक 2 से 8 दिल्ली आर.एम.एस. दिल्ली डाकघर) स्वत्वाधिकार नारायण सेवा संस्थान, प्रकाशक जतन सिंह द्वारा 6473, कटरा बरियान, फतेहपुरी, दिल्ली-110006 से प्रकाशित तथा एम.पी. प्रिंटर्स नोयडा से मुद्रित। मुद्रित संख्या 2,00,000 (मूल्य) 5 रूपये

आवासीय बालगृह

संस्थान द्वारा ऐसे मूक-बधिर, मंदबुद्धि बालकों को निःशुल्क शिक्षा, संस्कार, खेल, भोजन, आवास आदि जैसी सुविधाएँ प्रदान कर लालन-पालन किया जा रहा है जिनका इस दुनिया में कोई नहीं है। सेवा के इस महायज्ञ में आपश्री भी दान की आहूति देकर पुण्य का लाभ अर्जित करें।

नारायण सेवा संस्थान
नर सेवा नारायण सेवा

पीड़ित मानवता की सेवा से बढ़कर.... कोई मानव धर्म नहीं । **0294-6622222**